एनएसई में को-लोकेशन का मामला

बाजार नियामक ने मामला निपटाया

खुशबू तिवारी
मुंबई, 13 सितंबर

बाजार नियामक सेबी ने को-लोकेशन मामले में नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और उसके पूर्व आला अधिकारियों चित्रा रामकृष्ण, रवि नारायण, आनंद सुब्रमण्यन और चार अन्य के खिलाफ आरोप हटा दिए। नियामक ने कहा कि एनएसई के को-लोकेशन में कुछ निश्चित खामियां थीं, लेकिन स्टॉक ब्रोकर ओपीजी सिक्योरिटीज के साथ मिलीभगत या सांठगांठ के कोई सबूत नहीं मिले। इस ब्रोकर को एक्सचेंज के दूसरे सर्वर तक अनुचित पहुंच मिली हुई थी।

सेबी का ताजा आदेश पिछले साल प्रतिभूति अपील पंचाट यानी सैट की तरफ से जारी निर्देशों के बाद आया है। इस मामले में सेबी के अप्रैल 2019 के आदेश को रद्द करते हुए पंचाट ने बाजार नियामक को चार महीने के भीतर इस मामले पर फिर से निर्णय करने का निर्देश दिया था। सेबी को बाद में इस समयसीमा में विस्तार मिल गया था। सैट ने सेबी से कहा था कि वह अवैध कमाई की रकम और मिलीभगत के आरोप पर दोबारा विचार करे।

नियामक के ताजा आदेश से पूंजी बाजार तंत्र में सबसे ज्यादा चर्चित मामलों में से एक पर पर्दा गिर जाएगा। इस मामले ने देश के सबसे बड़े एक्सचेंज के पूर्व प्रमुखों की छवि को खराब कर दिया था और आईपीओ लाने की उसकी योजना अटक गई थी।

सेबी का आदेश

- नियामक ने कहा कि एनएसई के को-लोकेशन में कुछ निश्चित खामियां थीं, लेकिन स्टॉक ब्रोकर ओपीजी सिक्योरिटीज के साथ मिलीभगत या सांठगांठ के कोई सबूत नहीं मिले
- सेबी ने को-लोकेशन मामले में नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और उसके पूर्व आला अधिकारियों चित्रा रामकृष्ण, रवि नारायण, आनंद सुब्रमण्यन और चार अन्य के खिलाफ आरोप हटा दिए
- नियामक ने ओपीजी सिक्योरिटीज को 85 करोड़ रुपये की अवैध कमाई वापस करने का निर्देश दिया है

सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश वार्ष्णेय ने 83 पृष्ठ के आदेश में कहा कि इस मामले में अहम सबूतों के अभाव में संभावना की प्रमुखता की जांच ओपीजी और उसके निदेशकों के साथ मिलीभगत या सांठगांठ स्थापित करने में विफल रही।

इसी मामले में 238 पृष्ठ के एक अन्य आदेश में नियामक ने ओपीजी सिक्योरिटीज को 85 करोड़ रुपये की अवैध कमाई वापस करने का निर्देश दिया है। सेबी ने ओपीजी पर छह महीने का भी प्रतिबंध लगाया है जो उस पर अप्रैल 2019 के आदेश के तहत लगाई गई पांच साल की पाबंदी के अलावा होगा।

सेबी की दोबारा गणना की गई अवैध कमाई की रकम 15.57 करोड़ रुपये से ज्यादा है जिसे सेबी ने 2019 के आदेश में ब्रोकरेज को जमा कराने का निर्देश किया था। नियामक ने पाया कि ब्रोकरेज ने एक्सचेंज के सेकंडरी सर्वर तक पहुंच का बेजा फायदा उठाया।

नियामक ने पाया कि एनएसई के पास को-लोकेशन सुविधा के इस्तेमाल के लिए कोई तय नीति नहीं है और वह सेकंडरी सर्वर के इस्तेमाल की निगरानी करने में नाकाम रहा। लेकिन ओपीजी के साथ सांठगांठ के कोई सबूत नहीं हैं।

जून 2010 से मार्च 2014 के बीच एनएसई ने अपनी को-लोकेशन सुविधा में कथित टिक बाइ टिक (टीबीटी) आर्किटेक्चर तैनात किया था। टीबीटी ने डेटा फीड को क्रम से प्रसारित किया और उन ट्रेडिंग सदस्यों को प्राथमिकता दी जो को-लोकेशन सर्वर से पहले जुड़े। इस सिस्टम का फायदा उठाते हुए ओपीजी सिक्योरिटीज एक्सचेंज के सिस्टम तक बार-बार पहले पहुंची। यह मामला व्हिसलब्लोअर केन फोंग ने उजागर किया था। उन्होंने सेबी को जनवरी, अगस्त और अक्टूबर 2015 में पत्र लिखकर शिकायत की थी। इसके बाद नियामक ने इस मामले में जांच की और फॉरेंसिक ऑडिट भी कराया।

जनवरी 2023 में सैट ने सेबी के अप्रैल 2019 के उस आदेश को दरकिनार कर दिया था जिसमें नियामक ने एक्सचेंज को 625 करोड़ रुपये की अवैध कमाई को 2014 से 12 फीसदी सालाना ब्याज के साथ लौटाने का निर्देश दिया था।

हालांकि पंचाट ने एनएसई से कहा था कि ड्यू डिलिजेंस के अभाव में वह 100 करोड़ रुपये जमा कराए। एनएसई की तरफ से दी गई पहले की सूचना के मुताबिक सेबी ने संबंधित मामले में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद एक्सचेंज को 300 करोड़ रुपये लौटा दिए थे।

गुणवत्ता और बढ़ोतरी वाले शेयरों में बढ़ रहा निवेश

अभिषेक कुमार
मुंबई, 13 सितंबर

घटते ब्याज दर परिदृश्य में वृद्धि होती है प्रभावित और गुणवत्ता वाले शेयर ज्यादा सकारात्मक होते हैं : विशेषज्ञ

इक्विटी बाजार में निवेश की प्राथमिकता में अहम बदलाव हो रहा है। वृद्धि और गुणवत्ता की थीम फिर जोर पकड़ रही है और वैल्यू थीम पीछे छूट रही है। इस बदलाव की वजह गुणवत्ता और ग्रोथ वाली कंपनी के भावों को लेकर सहजता होने के साथ-साथ ब्याज दरों के चक्र की दिशा उलटने की संभावना भी है।

पीजीआईएम इंडिया म्युचुअल फंड के विश्लेषण से पता चलता है कि एनएसई 500 सूचकांक में गुणवत्ता और ग्रोथ शेयरों ने 1 जून से 13 फीसदी का रिटर्न दिया है। दूसरी तरफ गैर-गुणवत्ता व गैर-ग्रोथ शेयरों ने महज 4 फीसदी का रिटर्न दिया है। परिसंपत्ति प्रबंधक ग्रोथ की श्रेणी में उस कंपनी को रखते हैं जिसकी पांच वर्ष की औसत सालाना बिक्री में बढ़ोतरी उसकी ऐतिहासिक बिक्री वृद्धि से ज्यादा रही हो। गुणवत्ता वाली कंपनियां वे हैं जिनका इक्विटी पर रिटर्न उनके पांच साल के ऐतिहासिक इक्विटी रिटर्न से ज्यादा हो।

अप्रैल 2023 से मई 2024 के बीच जो शेयर गुणवत्ता और ग्रोथ शेयरों के पैमाने पर नहीं आते, उन्होंने 86 फीसदी का माध्य (मीडियन) रिटर्न दिया है। दूसरी तरफ गुणवत्ता और ग्रोथ वाली कंपनियों की मीडियन ग्रोथ 50 फीसदी रही है। देश के सबसे बड़े फंड हाउस एसबीआई म्युचुअल फंड ने भी रुझान में इस बदलाव को रेखांकित किया है। फंड हाउस ने गुणवत्ता वाले शेयरों को पारिभाषित करते हुए कहा है कि इनमें वे कंपनियां शामिल होती हैं जिनका रिटर्न ऑन इक्विटी ज्यादा हो, कम कर्ज हो और आय में ज्यादा निरंतरता हो।

मनी मैनेजरों का कहना है कि ब्याज दर के चक्र का ग्रोथ और वैल्यू कंपनियों के प्रदर्शन पर असर होता है। पीजीआईएम के मुख्य निवेश अधिकारी विनय पहाड़िया ने कहा कि उच्च वृद्धि की संभावना वाली कंपनियों पर ब्याज दरों का असर अपेक्षाकृत ज्यादा होता है, जिसका मतलब यह हुआ कि उनके लिए अवधि ज्यादा होती है। ऐसे में गिरते ब्याज दर परिदृश्य में उच्च वृद्धि और उच्च गुणवत्ता वाली कंपनियों पर कम वृद्धि व कम गुणवत्ता वाली कंपनियों के मुकाबले ज्यादा सकारात्मक असर दिख सकता है।

मोटे तौर पर वैल्यू शेयर वे होते हैं जिनका पीई अनुपात कम होता है क्योंकि उनमें वृद्धि की संभावना कम होती है। ज्यादातर सार्वजनिक उपक्रमों के शेयर इसी श्रेणी में आते हैं। अल्फा ऑल्टरनेटिव्स में पार्टनर विनीत सचदेवा ने कहा कि पिछले तीन साल में वैल्यू ने गुणवत्ता को काफी ज्यादा पीछे छोड़ा है। ऐसा होना भारतीय बाजारों के लिए दुर्लभ बात है। हालांकि बढ़े हुए भावों, अपेक्षाकम कमजोर प्रदर्शन और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के कारण गुणत्ता वाले शेयरों ने साल 2024 में जोरदार वापसी की है। हमें उम्मीद है कि यह रुख अल्पावधि से मध्यम अवधि में जारी रहेगा।

हाल के समय में कई फंडों ने अपने फंडों को विभिन्न निवेश तौर-तरीकों में विशाखित करने की कोशिश की है । इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि अगर उनकी पसंदीदा निवेश रणनीति कमजोर प्रदर्शन शुरू करती है तो उनके सभी फंडों को इससे न जूझना पड़े। उदाहरण के लिए ऐक्सिस और एचडीएफसी क्रमशः ग्रोथ व वैल्यू फंड हाउस के तौर पर जाने जाते थे लेकिन अब उन्होंने कुछ हद तक विशाखित किया है।

नई पीढ़ी की कंपनियों पर म्युचुअल फंडों का बड़ा दांव

फंड मैनेजरों ने नई पीढ़ी की कंपनियों और अगस्त में सूचीबद्ध फर्मों पर बड़ा दांव लगाया है और ये शेयर पिछले महीने म्युचुअल फंडों की तरफ से की गई खरीद सूची में पांच अग्रणी शेयरों में शामिल रहे हैं। 9 अगस्त को सूचीबद्ध ओला इलेक्ट्रिक खरीदा जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा शेयर रहा और फंड मैनेजरों ने 2,740 करोड़ रुपये के शेयर हासिल किए। नई सूचीबद्ध अन्य कंपनी फर्स्टक्राई के 4 करोड़ शेयर म्युचुअल फंडों ने करीब 2,550 करोड़ रुपये के निवेश से खरीदे। इस सूची में जोमैटो का स्थान चौथा रहा, जहां फंडों ने 2,500 करोड़ रुपये निवेश किया।

नुवामा ऑल्टरनेटिव ऐंड क्वांटिटेटिव रिसर्च के विश्लेषण के अनुसार पीबी फिनटेक और डेल्हिवरी 15 सबसे ज्यादा खरीदे गए शेयरों में शामिल रहीं।

म्युचुअल फंडों की अग्रणी खरीद सूची में ऐक्सिस बैंक सबसे ऊपर रहा। फंडों ने इस बैंक के 3,120 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। हालांकि एचडीएफसी बैंक से फंडों ने 8,370 करोड़ रुपये निकाले। हाल के वर्षों में प्रदर्शन के लिए जूझ रहे इस शेयर पर कई फंड आवंटन घटा रहे हैं जबकि लगातार छह महीने तक इसकी काफी खरीद की थी। क्वांट फंड काफी दांव लगाने के बाद अगस्त में इस शेयर से पूरी तरह बाहर निकल गया। ज्यादा बिकवाली वाले अन्य शेयरों में भारती एयरटेल, जायडस लाइफ., इंडस टावर्स, कोल इंडिया और डिक्सन टेक्नोलॉजिज शामिल हैं।

फंड अदाणी एंटर. से पूरी तरह बाहर निकल गए जबकि उन्होंने अदाणी एनर्जी सॉल्युशंस में काफी खरीदारी की। *अभिषेक कुमार*

अगस्त में सबसे ज्यादा खरीदे व बेचे गए शेयर

सबसे ज्यादा खरीदे गए	निवेशित रकम (करोड़ रुपये)	जोड़े गए शेयर (करोड़)
एक्सिस बैंक	3,120	2.66
ओला इलेक्ट्रिक	2,740	23.23
फर्स्टक्राई	2,550	3.99
जोमैटो	2,050	8.20
इंडिगो	2,040	0.42

सबसे ज्यादा बेचे गए	निकाली गई रकम (करोड़ रुपये)	बेचे गए शेयर (करोड़)
एचडीएफसी बैंक	-8,370	5.12
भारती एयरटेल	-1,930	1.21
जायडस लाइफसाइंसेज	-1,520	1.35
इंडस टावर्स	-1,260	2.75
कोल इंडिया	-1,230	2.35

स्रोत : नुवामा ऑल्टरनेटिव ऐंड क्वांटिटेटिव रिसर्च

म्युचुअल फंडों का सुनहरा सफर बरकरार

बीएस संवाददाता
मुंबई, 13 सितंबर

भारतीय म्युचुअल फंड उद्योग बढ़त की राह पर है। अगस्त 2024 एक और शानदार महीना रहा जब निवेशकों ने इक्विटी केंद्रित योजनाओं में 38,239 करोड़ रुपये का निवेश किया। यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा निवेश आंकड़ा है, साथ ही यह सकारात्मक निवेश का लगातार 42वां महीना है।

सेक्टोरल और थीमेटिक फंड निवेशकों के पसंदीदा बने हुए हैं। किसी विशेष क्षेत्र या थीम पर ध्यान केंद्रित करने वाले इन फंडों ने अकेले अगस्त में 18,117 करोड़ रुपये का निवेश हासिल किया। यह रकम माह के दौरान पेश एनएफओ में मिले निवेश का 73 फीसदी से ज्यादा है। निवेशकों ने स्पष्ट तौर पर इन फंडों से मिलने वाले संभावित रिटर्न को लेकर उत्साह जताया, जो तकनीक से लेकर स्वास्थ्य सेवा और बुनियादी ढांचा व अक्षय ऊर्जा से संबंधित थे।

मोतीलाल ओसवाल ने आंकड़ों के विश्लेषण के जरिये बताया है कि म्युचुअल फंडों ने अगस्त में तकनीक, हेल्थकेयर, रिटेल, कंज्यूमर, एनबीएफसी और टेलिकॉम में रुचि प्रदर्शित की। इससे मासिक आधार पर उनके भारांक में इजाफा हुआ। इसके उलट पूंजीगत सामान, निजी बैंक, यूटिलिटीज, पीएसयू बैंक, ऑटोमोबाइल, केमिकल और इन्फ्रास्ट्रक्चर में मासिक आधार पर भार में नरमी देखने को मिली। अगस्त 2024 में म्युचुअल फंडों के लिए निजी बैंक (15.9 फीसदी) सबसे ज्यादा होल्डिंग वाला क्षेत्र रहा। इसके बाद तकनीक (9.2 फीसदी), ऑटोमोबाइल (8.6 फीसदी) और पूंजीगत सामान (7.6 फीसदी) का स्थान रहा। रिटेल, हेल्थकेयर, तकनीक, बीमा और दूरसंचार क्षेत्र ने मासिक आधार पर वैल्यू में अधिकतम बढ़ोतरी दर्ज की।

बढ़त की राह पर

- लगातार 42वें महीने अगस्त में निवेशकों ने इक्विटी फंडों में डाली भारी रकम
- फंडों की अग्रणी 25 योजनाएं अगस्त में चढ़कर बंद, ऐक्सिस ब्लूचिप फंड सबसे आगे

माधवी पुरी बुच ने कांग्रेस के आरोपों को नकारा

पृष्ठ-1 का शेष

आईसीआईसीआई समूह से कर्मचारी शेयर विकल्प (ईसॉप्स) हासिल करने के आरोप पर बुच दंपती ने सफाई दी कि सेबी के दिशानिर्देश इस बात की इजाजत देते हैं कि उसके बोर्ड का कोई भी सदस्य या चेयरपर्सन ईसॉप्स रखे या उसे भुनाए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि माधवी ने साल 2017 में बाजार नियामक को इसकी जानकारी दी थी, जब वे पहली बार पूर्णकालिक सदस्य के रूप में सेबी से जुड़ी थीं। इसके बाद जब-जब इस तरह का लेनदेन हुआ तो उन्होंने जानकारी दी।

बुच दंपती ने अपने बयान में कहा कि माधवी ने सेबी में आने के बाद कभी आईसीआईसीआई समूह, महिंद्रा समूह, डॉ रेड्डीज, अल्वारेज ऐंड मार्शल, सेम्बकॉर्प, विसु लीजिंग से जुड़ी किसी भी फाइल को नहीं निपटाया है।

आईसीआईसीआई समूह से कमाई के आरोपों पर बुच दंपती ने कहा, 'माधवी ने अपने ईसॉप्स कब भुनाए, उस समय बाजार मूल्य क्या था और कितने ईसॉप्स भुनाए गए, इसके हिसाब से हर साल अलग-अलग फायदा होता है। अगर किसी साल में कोई ईसॉप्स नहीं भुनाया गया तो उससे कोई कमाई नहीं होगी और रिटर्न में यह नजर भी आएगा।'

बुच दंपती ने यह भी स्पष्ट किया कि जो कर्मचारी इस्तीफा देते हैं उनके पास ये ईसॉप्स तीन साल के लिए ही रह सकते हैं, लेकिन माधवी जैसे जो कर्मचारी वरिष्ठ पदों पर सेवानिवृत्त होते हैं उनके पास इन्हें भुनाने के लिए दस साल का समय होता है।

दंपती ने कहा कि माधवी ने आईसीआईसीआई बैंक से दो साल के लिए अवैतनिक अवकाश लिया था, जब वह सिंगापुर में एक प्राइवेट इक्विटी फर्म में किसी भूमिका में थीं। उन्होंने आईसीआईसीआई बैंक से नियमों के अनुसार ही अवकाश लिया था और पीई फर्म के साथ उनका समझौता कानूनी और पारदर्शी था, जिसके बारे में दोनों संस्थाओं को जानकारी दे दी गई थी।

इस संयुक्त बयान में बुच दंपती ने इन आरोपों को खारिज किया कि उन्हें किसी तरह का लाभ पहुंचाने के बाद कंपनियों से रकम मिली और उन्होंने कहा कि इस तरह का सवाल उठाना उक्त कंपनियों की भी मानहानि के बराबर है।

इसके पहले कंपनियां कह चुकी हैं कि उन्होंने धवल बुच की सेवाएं इसलिए लीं क्योंकि उन्हें नेतृत्व का काफी अनुभव था और उन्होंने यूनिलीवर में आपूर्ति श्रृंखला में विशेषज्ञता हासिल की थी।

अलग हुई सनोफी कंज्यूमर बाजार में सूचीबद्ध

सनोफी कंज्यूमर हेल्थकेयर इंडिया (एससीएचआईएल) का शेयर शुक्रवार को बाजारों में सूचीबद्धता के दौरान 4,703 रुपये पर बंद हुआ। यह कंपनी सनोफी इंडिया से अलग होकर सूचीबद्ध हुई है। अभी इस कंपनी का मूल्यांकन 10,831 करोड़ रुपये है।

इस बीच, सनोफी इंडिया का शेयर 0.92 फीसदी गिरकर 7,152 रुपये पर बंद हुआ। फ्रांस की बहुराष्ट्रीय दवा और स्वास्थ्य सेवा कंपनी सनोफी की स्थानीय इकाई का मूल्यांकन 16,471 करोड़ रुपये है।

कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सनोफी की वैश्विक रणनीति के हिसाब से एससीएचआईएल अब स्वतंत्र रूप से परिचालन कर रही है और इसका ध्यान पूरी तरह से कंज्यूमर हेल्थकेयर सेक्टर पर है। एससीएचआईएल के पास एलर्जी, डाइजेस्टिव, वेलनेस, दर्द निवारक, मल्टी विटामिन और हर्बल डाइटरी सप्लीमेंट्स का पोर्टफोलियो है। एससीएचआईएल के प्रमुख ब्रांडों में एलेग्रा, डेपुरा, एविल और कॉम्बिफ्लेम शामिल है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज, रेमंड और बजाज इलेक्ट्रिकल्स समेत कई भारतीय कंपनियों ने वैल्यू अनलॉक करने के लिए अपनी इकाइयां अलग की हैं। *बीएस*

Technocraft Industries (India) Limited

Corporate Identification Number (CIN): L28120MH1992PLC069252
Registered Office: Technocraft House, A-25, Road No. 03, MIDC Industrial Estate, Andheri (East), Mumbai - 400093, Maharashtra, India. **Telephone:** +91-22-4098 2222/2340; **Fax:** +91-22-4098 2200;
Email: investor@technocraftgroup.com; **Website:** www.technocraftgroup.com
Contact Person: Mr. Neeraj Rai, Company Secretary & Compliance Officer

This post-buyback public announcement (the **"Post Buyback Public Announcement"**) is being made in compliance with Regulation 24(vi) of the Securities and Exchange Board of India (Buy-Back of Securities) Regulations, 2018 as amended from time to time (**"SEBI Buyback Regulations"**). This Post Buyback Public Announcement should be read in conjunction with the Public Announcement dated August 14, 2024, published on August 15, 2024 (**"Public Announcement"**), the Letter of Offer dated August 28, 2024 (**"Letter of Offer"**) and Offer Opening Advertisement dated September 01, 2024 published on September 02, 2024 (**"Offer Opening Ad"**).

Unless specifically defined herein, capitalised terms and abbreviations used herein have the same meaning as ascribed to them in the Public Announcement and the Letter of Offer.

1. THE BUYBACK

1.1. Technocraft Industries (India) Limited (**"Company"**) had announced a buyback of 2,88,889 (Two Lakhs Eighty-Eight Thousand Eight Hundred and Eighty-Nine) fully paid-up equity shares of face value of Rs. 10 each (**"Equity Shares"**) at a price of INR 4,500/- (Indian Rupees Four Thousand and Five Hundred Only) per Equity Share (**"Buyback Price"**), payable in cash, for an aggregate amount of INR 130,00,00,500/- (Indian Rupees One Hundred Thirty Crores and Five Hundred only) ("Buyback Offer Size") from the Eligible Shareholders holding Equity Shares as on August 27, 2024 (**"Record Date"**) excluding the Transaction Costs from all the existing shareholders / beneficial owners of Equity Shares, on a proportionate basis, through the Tender Offer method (**"Buyback"** or **"Buyback Offer"**).

1.2. The Buyback Offer Size constituted 9.71% and 7.75% of the aggregate paid-up share capital and free reserves as per the audited standalone and consolidated financial statements respectively of the Company for the financial year ended March 31, 2024, in accordance with section 68(2)(c) of the Companies Act, 2013 and the SEBI Buyback Regulations. The number of Equity Shares bought back constituted 1.26% of the Pre-Buyback Equity Share Capital of the Company.

1.3. The Company adopted the "tender offer" method for the purpose of Buyback. The Buyback was implemented using the "Mechanism for acquisition of shares through Stock Exchange" notified by the Securities and Exchange Board of India vide its circular CIR / CFD / POLICYCELL / 1 / 2015 dated April 13, 2015 read with circular no CFD/DCR2/CIR/P/2016/131 dated December 09, 2016 and circular SEBI/HO/CFD/DCR-III/CIR/P/2021/615 dated August 13, 2021, including any amendments or statutory modifications for the time being in force. For the purposes of the Buyback, NSE was the designated stock exchange (**"DSE"**).

1.4. The Tendering Period for the Buyback Offer was started on Monday, September 02, 2024 and ended on Friday, September 06, 2024.

2. DETAILS OF BUYBACK

2.1. The total number of Equity Shares bought back by the Company in the Buyback were 2,88,889 (Two Lakhs Eighty-Eight Thousand Eight Hundred and Eighty-Nine) at the price of INR 4,500/- (Indian Rupees Four Thousand and Five Hundred Only) per Equity Share.

2.2. The total amount utilized in the Buyback is INR 130,00,00,500/- (Indian Rupees One Hundred Thirty Crores and Five Hundred Only) excluding the transaction cost.

2.3. The Registrar to the Buyback, Link Intime India Private Limited, considered a total of 1,17,806 valid bids for 21,02,311 Equity Shares in response to the Buyback, which is approximately 7.28 times the maximum number of Equity Shares proposed to be bought back. The details of valid bids received/considered by the Registrar to the Buyback are set out below.

Category of Shareholders	No. of Equity shares reserved in Buyback	No. of Valid Bids	Total Valid Equity Shares Validly Tendered	% Response
Reserved category for Small Shareholders	43,334	1,16,243	1,99,099	4.60
General category of other Eligible Shareholders	2,45,555	1,563	19,03,212	7.75
Total	**2,88,889**	**1,17,806**	**21,02,311**	**7.28**

2.4. All valid bids were considered for the purpose of Acceptance in accordance with the SEBI Buyback Regulations and the Letter of Offer. The communication of acceptance/rejection dated September 12, 2024 was sent by Registrar to the Buyback to the Eligible Shareholders, on Thursday, September 12, 2024 (by email where the email id is registered with the Company or the depositories) and dispatched on Thursday, September 12, 2024 (through physical intimation where email id is not available).

2.5. The settlement of all valid bids was completed by the Indian Clearing Corporation Limited ("Clearing Corporation") on Thursday, September 12, 2024 . Clearing Corporation has made direct funds payout to Eligible Shareholders whose Equity Shares have been accepted under the Buyback. If any Eligible Shareholders' bank account details were not available or if the funds transfer instruction was rejected by Reserve Bank of India or relevant bank, due to any reason, then such funds were transferred to the concerned Seller Members for onward transfer to such Eligible Shareholder holding Equity Shares in dematerialized form.

2.6. Demat Equity Shares accepted under the Buyback were transferred to the Company's demat escrow account on Thursday, September 12, 2024. The unaccepted dematerialized Equity Shares were also returned to respective Seller Member(s) / Custodian(s) by the Clearing Corporation on Thursday, September 12, 2024. No Equity Shares were tendered in physical form in the Buyback.

2.7. The extinguishment of 2,88,889 Equity Shares accepted under the Buyback Offer is currently under process and will be completed in accordance with the SEBI Buyback Regulations on or before Tuesday September 24, 2024.

3. CAPITAL STRUCTURE AND SHAREHOLDING PATTERN:

3.1. The capital structure of the Company pre and post Buyback is as under:

Particulars	Pre-Buyback	Post Buyback
Authorised Share Capital	Rs. 40,00,00,000 (4,00,00,000 Equity Shares)	Rs. 40,00,00,000 (4,00,00,000 Equity Shares)
Issued Subscribed and Paid-up Equity Capital	Rs. 22,96,16,870 (2,29,61,687 Equity Shares)	Rs. 22,67,27,980 (2,26,72,798 Equity Shares)#

 # Subject to extinguishment of 2,88,889 Equity Shares accepted in the Buyback.

3.2. Details of the Eligible Shareholders from whom Equity Shares exceeding 1% of the total Equity Shares have been bought back under the Buyback are as mentioned below:

Sr. No.	Name of the Shareholder	No. of Equity Shares accepted under Buyback	Equity Shares accepted as a % of of total Equity Shares bought back	Equity Shares accepted as a % of total post Buyback Equity Share Capital of the Company#
1.	Sudarshankumar Saraf	69,800	24.16	0.31
2.	Shakuntala Saraf	53,107	18.38	0.23
3.	Sharadkumar Madhoprasad Saraf HUF	22,654	7.84	0.10
4.	Navneet Kumar Saraf	14,515	5.02	0.06
5.	Abakkus Emerging Opportunities Fund-1	13,359	4.62	0.06
6.	Nidhi Saraf	5,581	1.93	0.02
7.	Ashish Kumar Saraf	5,186	1.80	0.02
8.	Priyanka Ashish Saraf	5,136	1.78	0.02
9.	Sharadkumar Saraf	4,179	1.45	0.02
10.	Mahindra Manulife Manufacturing Fund	3,296	1.14	0.01
11.	HDFC Mutual Fund - HDFC Childrens Gift Fund	3,259	1.13	0.01

 # Subject to extinguishment of 2,88,889 Equity Shares accepted in the Buyback.

3.3. The shareholding pattern of the Company, prior to the Buyback (as of the Record Date, being August 27, 2024) and post the completion of the Buyback is as follows:

Particulars	Pre-Buyback		Post-Buyback#	
	Number of Shares	% to the existing Equity Share Capital	Number of Shares	% to the Post Buyback Equity Share Capital
Promoters and persons acting in concert (Collectively "the Promoter & Promoter Group")	1,71,32,736	74.61	1,69,46,826	74.75
Foreign Investors (Including Non-Resident Indians, FIIs)	7,42,011	3.23	57,25,972	25.25
Financial Institutions/Banks & Mutual Funds promoted by Banks/ Institutions and Insurance Companies	4,37,938	1.91		
Others (Public, Public Bodies Corporate etc.)	46,49,002	20.25		
Total	**2,29,61,687**	**100.00**	**2,26,72,798**	**100.00**

 # Subject to extinguishment of 2,88,889 Equity Shares of the Company.

4. MANAGER TO THE BUYBACK

SYSTEMATIX GROUP™
Investments Re-defined

Systematix Corporate Services Limited
The Capital, A-Wing, 6th Floor, No. 603-606,
Plot No. C-70, G-Block, Bandra-Kurla Complex (BKC),
Bandra (East), Mumbai 400 051, Maharashtra, India.
Telephone: +91-22-6704 8000
Fax: +91-22-6619 8029
Contact Person: Ms. Jinal Sanghvi
Email: ecm@systematixgroup.in
Website: www.systematixgroup.in
SEBI Registration Number: INM000004224
Validity Period: Permanent

5. DIRECTORS RESPONSIBILITY

In terms of Regulation 24(i)(a) of the Buyback Regulations, the Board of Directors of the Company accepts full responsibility for the information contained in this Post Buyback Public Announcement and confirms that this Post Buyback Public Announcement contains true, factual and material information and does not contain any misleading information. This Post Buyback Public Announcement is issued under the authority of the Board and in terms of the resolution passed by the Buyback Committee on September 13, 2024.

For and on behalf of the Board of Directors of Technocraft Industries (India) Limited

Sd/-
Sharad Kumar Saraf
Chairman & Managing Director
DIN: 00035843

Sd/-
Sudarshan Kumar Saraf
Co-Chairman & Managing Director
DIN: 00035799

Sd/-
Neeraj Rai
Company Secretary
Membership No. F6858

Date: September 13, 2024
Place: Mumbai